अपठित गद्यांश एवं पद्यांश

अपठित गद्यांश - परिचय

अपठित का अर्थ होता है 'जो पढ़ा नहीं गया हो'। यह किसी पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं लिया जाता है। यह कला, विज्ञान, राजनीति, साहित्य या अर्थशास्त्र, किसी भी विषय का हो सकता है। इनसे सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं। इससे छात्रों का मानसिक व्यायाम होता है और उनका सामान्य ज्ञान भी बढ़ता है। इससे छात्रों की व्यक्तिगत योग्यता व अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ती है।

विधि

अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों को हल करने के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है।

1. दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

2. गद्यांश पढ़ते समय मुख्य बातों को रेखांकित कर देना चाहिए।

3. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर देते समय भाषा एकदम सरल होनी चाहिए।

4. उत्तर सरल व संक्षिप्त व सहज होने चाहिए। अपनी भाषा में उत्तर देना चाहिए।

5. प्रश्नों के उत्तर कम-से-कम शब्दों में देने चाहिए, साथ हीं गद्यांश में से हीं उत्तर छाँटने चाहिए।

6. उत्तर में जितना पूछा जाए केवल उतना हीं लिखना चाहिए, उससे ज़्यादा या कम तथा अनावश्यक नहीं होना चाहिए। अर्थात, उत्तर प्रसंग के अनुसार होना चाहिए।

7. यदि गद्यांश का शीर्षक पूछा जाए तो शीर्षक गद्यांश के शुरु या अंत में छिपा रहता है।

8. मूलभाव के आधार पर शीर्षक लिखना चाहिए।

अपठित पद्यांश - परिचय

अपठित पद्यांश का अर्थ है 'वह कविता का अंश या कविता जो पहले पढ़ी न गई हो'। अपठित पद्यांश में किसी कविता का एक अंश दिया जाता है तथा उस पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। यह कविता किसी (अर्थात उसी कक्षा के) पाठ्यक्रम की पुस्तक में से नहीं दी जाती है। इसे पढ़कर इससे सम्बन्धित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं। इससे छात्रों की कविता पढ़ने और समझने की क्षमता का विकास होता है।

विधि

इनको हल करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना अनिवार्य है।

1. कविता को दो-तीन बार पढ़ना चाहिए, जिससे उसका भाव और अर्थ अच्छी तरह समझ में आ जाए।

2. कविता को समझकर उत्तर देने चाहिए।

3. प्रश्नों के उत्तर कविता की लाइनों में नहीं देने चाहिए, बल्कि अपने शब्दों में गद्य में देने चाहिए।

4. उत्तर सरल, स्पष्ट और कम शब्दों का प्रयोग करके भावों के साथ व्यक्त करना चाहिए।

अपठित गद्यांश 1

हमें स्वीकार करना हीं होगा कि जिस तरह हमने माँ की गोद में जन्म लिया उसी तरह मातृभाषा की गोद में भी जन्म लिया है। ये दोनों माताएँ हमारे लिए सजीव और अपरिहार्य हैं। अपने व्यवहार के अलावा हमारे लिए मातृभाषा की और भी एक बड़ी सार्थकता है। हमारी भाषा जब हमारे अपने मनोभावों का उत्कृष्ट वाहन होती है, तभी अन्य भाषाओं के मर्मगत भावों के साथ हमारा सहज और सत्य संबंध स्थापित हो सकेगा। भाषा की इसी सहयोगिता से प्रत्येक जाति का साहित्य और भी उज्ज्वल होकर प्रकाशित होने का सुयोग पाता है।

प्रश्न:1 दो माताएँ कौन सी हैं?

(क) माँ, सौतेली माँ

(ख) माँ, मातृभाषा

(ग) धरती माँ, भारत माँ

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (ख) माँ, मातृभाषा

प्रश्न:2 मातृभाषा द्वारा हम क्या सहयोग प्राप्त कर सकते हैं?

(क) दूसरे देशों से सम्पर्क

(ख) अपनी बात कहने का सहयोग

(ग) अन्य भाषाओं से संबंध

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (ग) अन्य भाषाओं से संबंध

प्रश्न:3 दिए गए गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए।

(क) मातृभाषा

(ख) माँ

(ग) भारतमाता

(घ) अपनी माँ

उत्तर: (क) मातृभाषा

प्रश्न:4 'सहयोगिता' शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए।

(क) गिता

(ख) ईता

(ग) ता

(घ) इता

उत्तर: (घ) इता

प्रश्न:5 'उत्कृष्ट' शब्द का अर्थ बताइए।

(क) अच्छा

(ख) सबसे अच्छा

(ग) ठीक

(घ) बहुत अच्छा

उत्तर: (ख) सबसे अच्छा

अपठित गद्यांश 2

आज पुन:निर्माण की चर्चा है व्यक्ति की नहीं समाज की; अपनी नहीं, दूसरों की। क्या व्यक्ति का पुन:निर्माण एकदम उपेक्षा की चीज़ है?

यह सत्य है कि व्यक्ति समाज की उपज है और यदि सारा समाज लूला-लँगड़ा रहे, तो एक व्यक्ति भी सीधा नहीं खड़ा हो सकता, किंतु फिर समाज भी तो व्यक्तियों का हीं समूह है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने सुधार की ओर ध्यान दे तो पूरे समाज का निर्माण कितना आसान है।

बौद्ध धर्म में सम्यक् व्यायाम के चार अंग कहे गए हैं -

1. इस बात की सावधानी रखना कि अपने में कोई अवगुण न आ जाए।

2. इस बात का प्रयत्न करना कि अपने अवगुण दूर हो जाएँ।

3. इस बात की सावधानी रखना कि अपने से नए सद्‌गुण चले न जाएँ।

3. इस बात का प्रयत्न करना कि अपने में नए सद्‌गुण चले आएँ।

बाग़ में यदि अच्छे फल-फूल न लगवाए जाएँ और ज़मीन को यों हीं बेकार पड़ी रहने दिया जाए तो उसमें बेकार के झाड़-झंखाड़ उग ही आएँगे। यदि अवगुणों को दूर करने और सद्‌गुणों को लाने का उपाय निरंतर नहीं किया जाएगा तो अवगुण बने हीं रहेंगे और सद्‌गुण नहीं आएँगे।

इसलिए यदि इस चतुर्मुखी कार्यक्रम को घटाकर इसके केवल दो अंगों (अवगुणों को दूर करना और सद्‌गुणों को अपनाना) को स्वीकार कर लिया जाए तो भी मैं समझता हूँ, भगवान बुद्ध का उद्देश्य पूरा हो सकता है।

अवगुणों को दूर करना और सद्‌गुणों को अपनाना, ये दोनों भी क्या अर्थ की दृष्टि से एक नहीं हैं? इसका मतलब हाँ और नहीं दोनों ही देना होगा।

प्रश्न:1 सही समाज बनाने के लिए क्या आवश्यक है?

(क) व्यक्तियों का समूह

(ख) व्यक्ति का पुन:निर्माण

(ग) दूसरों का निर्माण

(घ) चुनिंदा व्यक्तियों का समूह

उत्तर: (ख) व्यक्ति का पुन:निर्माण

प्रश्न:2 भगवान बुद्ध का उद्देश्य कैसे पूरो हो सकता है?

(क) सद्‌गुणों को अपनाकर

(ख) अवगुणों को भगाकर

(ग) बुद्ध का शिष्य बनकर

(घ) (क), (ख) को मानकर

उत्तर: (घ) (क), (ख) को मानकर

प्रश्न:3 ‘सद्गुण’ एवं ‘अवगुण’ में से उपसर्ग अलग करिए।

(क) सद्, अव

(ख) स, अ

(ग) सद्अ, अवअ

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (क) सद्, अव

प्रश्न:4 अवगुणों को भगाने का सबसे अच्छा उपाय क्या है?

(क) अवगुणों को छोड़ना

(ख) बुद्ध के उपदेशों को मानना

(ग) सद्गुणों को अपनाना

(घ) (क), (ख), (ग) को मानकर

उत्तर: (ग) सद्गुणों को अपनाना

प्रश्न:5 'निरंतर' शब्द का अर्थ लिखिए।

(क) चलते रहो

(ख) हमेशा

(ग) हर समय

(घ) लगातार

उत्तर: (घ) लगातार

अपठित गद्यांश 3

वास्तव में सादा जीवन क्या है? क्या इसका तात्पर्य अपनी आवश्यकताओं को कम करना है? क्या इसका अर्थ है कि हम कम-से-कम कपड़े पहनें? क्या इसका अर्थ है कि हम भोजन कम-से-कम खाएँ? सादा जीवन आपेक्षिक है, संपूर्ण नहीं। यह सभ्यता के उस स्तर पर निर्भर है जिस पर एक आदमी जीता है। यह कुछ लोगों की विलासिता है तो वहीं कुछ लोगों के लिए आवश्यक।

किंतु हमें यह मालूम है कि सादा जीवन क्या है? व्यर्थ और हानिकारक वस्तुओं के उपयोग से बचना हीं सादा जीवन है। यह हमारे शरीर की स्वाभाविक आवश्यकताओं की पूर्ति, आराम, और स्फूर्ति को पैदा करता है। दूसरे शब्दों में, सादा जीवन आधिक्य और प्रदर्शन से बचना है।

सादा जीवन व्यतीत करना निस्संदेह लाभकारी है। वस्तुनिष्ठ प्रगति पर आधारित आराम का जीवन स्वस्थ नहीं होता। सादा जीवन एवं उच्च विचार दोनों वांछनीय हैं। उच्च विचार का अर्थ कदापि नहीं कि केवल ईश्वर दर्शन और धर्म के बारे में हीं सोच-विचार करें। वे समस्त विचार जो हमारे जीवन स्तर को ऊँचा बनाएँ, उच्च विचार कहलाते हैं।

उच्च से तात्पर्य जीवन के उदात्त आदर्श और मूल्यों के प्रति आस्था जैसे
सत्य, सौंदर्य, कला, विज्ञान, धर्म, समाज सेवा आदि है। ऐसा एक व्यक्ति जो इन मूल्यों की तलाश में अपना जीवन व्यतीत करता है, उच्च विचार वाला व्यक्ति कहा जाता है।

प्रश्न:1 सादा जीवन क्या है?

(क) आवश्यकताओं को कम करना

(ख) कम कपड़े पहनना

(ग) हानिकारक वस्तुओं से बचना

(घ) कम भोजन करना

उत्तर: (ग) हानिकारक वस्तुओं से बचना

प्रश्न:2 सादा जीवन क्या पैदा करता है?

(क) आराम एवं स्फूर्ति

(ख) विलासिता

(ग) ईश्वर दर्शन

(घ) सभ्यता

उत्तर: (क) आराम एवं स्फूर्ति

प्रश्न:3 उच्च विचार से क्या तात्पर्य है?

(क) प्रदर्शन से बचना

(ख) समाज सेवा

(ग) स्वस्थ जीवन

(घ) उदात्त आदर्श

उत्तर: (घ) उदात्त आदर्श

प्रश्न:4 'कपड़ा' शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क) वस्त्र, वसन

(ख) अंबर, आकाश

(ग) पिताम्बर, पट

(घ) आहार, वसन

उत्तर: (क) वस्त्र, वसन

प्रश्न:5 'आदमी' शब्द का लिंग बदलो।

(क) मनुष्य

(ख) औरत

(ग) स्त्री

(घ) नारी

उत्तर: (ख) औरत

अपठित गद्यांश 4

वृक्ष सदैव सुंदर होते हैं, परंतु भारत में वे मार्च से जून तक के महीनों के वृक्षों से सुंदरतर कभी नहीं होते। साल का उष्णतम मौसम इन महीनों से आवृत हो जाता है, परंतु वृक्ष अपने चमकीले नए पत्तों तथा दमकते रंग के फूलों के साथ प्रसन्न रहते हैं। कुछ वृक्ष सदाबहार होते हैं। वे हमें बतलाते हैं कि वे कभी नग्न नहीं होते, क्योंकि जैसे ही पुराने पत्ते झड़ते है, नए पत्ते निकल आते हैं। दूसरे वृक्ष तप्त ग्रीष्म ऋतु या ठंडी शीत ऋतु के महीनों में अपने पत्ते खो देते हैं।

आम को सब अच्छी तरह जानते हैं, परंतु जब तक शाखाएँ फलों से भर नहीं जाती, वृक्षों को कम ही लोग पहचान पाते हैं। यह श्याम हरित छतनार वृक्ष पिकनिक पार्टियों तथा तंद्रिलाक्ष जानवरों के लिए शीतल छाया प्रदान करता है। फरवरी के प्रारंभ में छोटे-छोटे सफेद फूल खिलते हैं और मई-जून में रसदार हरा, पीला या लाल फल तोड़ने के लिए तैयार हो जाता है।

जिनके अंत में एक पतली लंबी पूँछ रहती है ऐसी सुंदर हृदयाकृति वाली पत्तियों से युक्त पेड़ है—पीपल। मार्च के महीने में गुलाबी और चमकीली नई पत्तियाँ निकलती हैं, जो प्रात:कालीन शीतल हवा में फड़फड़ाती एवं नाचती हुई, एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

पीपल हिंदुओं के लिए पवित्र है। वटवृक्ष भी पूजा जाता है। हम उसे उसकी बड़ी एवं देखने में विचित्र जटाओं को देखकर पहचान लेते हैं। ये जटाएँ प्राय: मजबूत रस्सों की तरह लटकती हैं।

प्रश्न:1 भारत में वृक्ष सबसे सुंदर कब होते हैं?

(क) मार्च से जून तक के महीनों में

(ख) मई से जून तक के महीनों में

(ग) मार्च से अप्रैल तक के महीनों में

(घ) सितम्बर से अक्टूबर तक के महीनों में

उत्तर: (क) मार्च से जून तक के महीनों में

प्रश्न:2 वृक्ष कब पत्ते खो देते हैं?

(क) तेज़ गर्मी में

(ख) हल्की सर्दी में

(ग) बारिश में

(घ) हर समय

उत्तर: (क) तेज़ गर्मी में

प्रश्न:3 वृक्षों की पहचान कब होती है?

(क) पत्ते झड़ने पर

(ख) नये पत्ते आने पर

(ग) फल एवं पत्ते आने पर

(घ) मई के महीने में

उत्तर: (ग) फल एवं पत्ते आने पर

प्रश्न:4 पीपल का हिंदुओं के लिए क्या महत्व है?

(क) यह पेड़ पवित्र माना जाता है

(ख) इसकी पत्तियाँ बहुत सुन्दर होती हैं

(ग) यह पेड़ बहुत घना होता है

(घ) इसकी पतली एवं लंबी पूँछ होती है

उत्तर: (क) यह पेड़ पवित्र माना जाता है

प्रश्न:5 "शीत ऋतु में पेड़ से पत्ते झड़ते है"। यहाँ कारक को पहचानकर लिखिए।

(क) कर्म कारक

(ख) करण कारक

(ग) सम्प्रदान कारक

(घ) अपादान कारक

उत्तर: (घ) अपादान कारक

अपठित गद्यांश 5

सैनिक-शिक्षा का अभिप्राय उन जवानों की तथा सेनाओं की शिक्षा से है जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वदा तत्पर रहते हैं। सीमांतों की रक्षा के अतिरिक्त देश की आंतरिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए भी सैनिकों की आवश्यकता होती है।

पाकिस्तान के पास अमेरिका द्वारा भेजे गए पैटन टैंक थे। किंतु, पाकिस्तानी सैनिकों की सैनिक-शिक्षा अधूरी होने के कारण वे उनका ठीक प्रकार से प्रयोग नहीं कर सके, अतएव उन्हें मुँह की खानी पड़ी। निस्संदेह भारतीय सैनिकों की शिक्षा पर्याप्त संतोषजनक है, तथापि अभी हमें कुशलता की अनेक सीढ़ियाँ पार करनी हैं। अत: देश में सैनिक-शिक्षा के व्यापक प्रसार की आवश्यकता है। विशेषकर इसलिए कि चीन और पाकिस्तान मिलकर भारत को कुचल देने की कुटिल योजना बना रहे हैं। सैनिक-शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए।

प्रश्न:1 सैनिकों की आवश्यकता क्यों है?

(क) मातृभूमि की रक्षा के लिए

(ख) राजनीति के लिए

(ग) नेताओं के लिए

(घ) चौकीदारी के लिए

उत्तर: (क) मातृभूमि की रक्षा के लिए

प्रश्न:2 पाकिस्तानी सेना को मुँह की क्यों खानी पड़ी?

(क) खराब शस्त्रों के कारण

(ख) अस्त्रों की जानकारी न होने के कारण

(ग) सैनिक-शिक्षा की कमि के कारण

(घ) सैनिकों के कमज़ोर होने के कारण

उत्तर: (ग) सैनिक-शिक्षा की कमि के कारण

प्रश्न:3 भारत में सैनिक शिक्षा अनिवार्य क्यों हैं?

(क) पाकिस्तानी सेना को मात देने के लिए

(ख) चीनी सेना को मात देने के लिए

(ग) पड़ोसी राज्यों का सामना करने के लिए

(घ) इनमें से कोइ नहीं

उत्तर: (ग) पड़ोसी राज्यों का सामना करने के लिए

प्रश्न:4 गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

(क) सैनिक

(ख) सैनिक-शिक्षा

(ग) मातृभूमि

(घ) सीमांतों की रक्षा

उत्तर: (ख) सैनिक-शिक्षा

प्रश्न:5 'कुटिल' शब्द का संज्ञा शब्द बताइए।

(क) कुटिलता

(ख) कोटिल

(ग) कोटिल्य

(घ) कौटीली

उत्तर: (क) कुटिलता

अपठित गद्यांश 6

बाल-मैत्री में मधुरता, प्रेम और अपार विश्वास होता है। युवा पुरुष की मित्रता स्कूल के बालक की मित्रता से दृढ़, शांत और गंभीर होती है। मित्र केवल उसे नहीं कहते जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें, पर जिससे हम स्नेह न कर सकें, जिससे अपने छोटे-छोटे काम तो हम निकालते जाएँ, पर भीतर-ही-भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें।

मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार का कार्य करते हों या एक ही रुचि रखते हों। दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है। राम धीर और शांत प्रकृति के थे, लक्ष्मण उग्र और उद्धत स्वभाव के, पर दोनों भाईयों में अत्यंत प्रगाढ़ स्नेह था। उदार और उच्चाशय कर्ण और लोभी

दुर्योधन के स्वभावों में समानता न थी, पर उन दोनों की मित्रता खूब निभी। जो गुण हममें नहीं हैं, हम चाहते हैं कि कोई ऐसा मित्र मिले, जिसमें वे गुण हों। चिंताशील मनुष्य प्रफुल्लित चित्त का साथ ढूँढ़ता है, निर्बल बली का। उच्च आकांक्षा वाला चंद्रगुप्त युक्ति और उपाय के लिए चाणक्य का मुँह ताकता था। नीति-विशारद अकबर मन बहलाने के लिए बीरबल की ओर देखता था।

हमें ऐसे मित्रों की खोज में रहना चाहिए जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की सी निपुणता और परख होती है तथा अच्छी-से-अच्छी माता का‑सा धैर्य और कोमलता होती है।

किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो निरंतर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

प्रश्न:1 बाल मैत्री की क्या विशेषताएँ होती हैं?

(क) प्रेम, विश्वास

(ख) शांती, गंभीरता

(ग) मधुरता, प्रेम, विश्वास

(घ) प्रेम, गंभीरता

उत्तर: (ग) मधुरता, प्रेम, विश्वास

प्रश्न:2 दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों की मित्रता का एक उदाहरण दीजिए।

(क) कर्ण और दुर्योधन

(ख) राम और हनुमान

(ग) बलराम और कृष्ण

(घ) सुग्रीव और राम

उत्तर: (क) कर्ण और दुर्योधन

प्रश्न:3 अकबर ने बीरबल से मित्रता क्यों की?

(क) उसे दरबारी बनाने के लिए

(ख) मन बहलाने के लिए

(ग) आत्मबल बढ़ाने के लिए

(घ) प्रगाढ़ स्नेह बढ़ाने के लिए

उत्तर: (ख) मन बहलाने के लिए

प्रश्न:4 संगति शब्द का संधिविच्छेद करिए।

(क) सं + गति

(ख) संग + ति

(ग) सम् + गति

(घ) सम्ग + गति

उत्तर: (ग) सम् + गति

प्रश्न:5 गद्यांश में से उचित मुहावरा बताइए।

(क) निरंतर उन्नति

(ख) प्रगाढ़ स्नेह

(ग) मन बहलाना

(घ) मुँह ताकना

उत्तर: (घ) मुँह ताकना

अपठित गद्यांश 7

बैजू एक दिन आगरे की सीमा में आया और उसने गायन शुरु किया। सिपाही उसे पकड़ कर तानसेन के पास ले गए। दरबार की ओर से शर्तें सुनाई गईं-"हे युवक! यदि तुम हार गए तो तुम्हें मृत्युदंड देने का अधिकार तानसेन को होगा और यदि तुम जीत गए, तो तानसेन का जीवन तुम्हारे हाथ में होगा।"

गायन प्रारंभ हुआ। बैजू ने सितार उठाया। सितार की ध्वनि सुनकर हिरण छलांगें मारते हुए बैजू के पास आकर खड़े हो गए। बैजू ने हिरणों को पुष्प-मालाएँ पहना दीं। वे चौकड़ी भरते हुए चले गए। बैजू ने कहा, "तानसेन जी! फूल-मालाओं वाले हिरणों को यहाँ बुलाइए।" तानसेन ने सुंदर सितार बजाया, पर हिरण नहीं आए। तानसेन खिसियाकर बोला, "वे हिरण सितार की आवाज़ सुनकर नहीं आए थे, अकस्मात् इधर आ निकले थे। इन्हें दुबारा बुलाकर दिखाओ।"

बैजू ने एक बार फिर सितार बजाना शुरु किया और हिरण पुनः आ गए।

तानसेन हार गया। सम्राट् अकबर भी हैरान था। तब तानसेन का जीवन बैजू के हाथ में था।

बैजू बोला, "जहाँपनाह! मैं तानसेन के प्राण लेना नहीं चाहता। केवल इतना चाहता हूँ कि आप इस निष्ठुर नियम को खत्म कर दीजिए कि आगरे की सीमा में गाने वाले को तानसेन से मुकाबला करना पड़ेगा और मुकाबले में हार जाने पर अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ेगा।"

"यह नियम इसी क्षण से समाप्त किया जाता है"-अकबर बोला।

तानसेन बैजू के चरणों में गिर पड़ा। बैजू ने उसे उठाया और कहा, "याद करो तानसेन, बारह वर्ष पूर्व तुमने मेरे पिता के प्राण लिए थे। यह उसी का बदला है। जाओ मैंने तुम्हें मुक्त किया।"

प्रश्न:1 बैजू का मुकाबला किसके साथ था?

(क) अकबर

(ख) तानसेन

(ग) हिरण

(घ) दरबारी

उत्तर: (ख) तानसेन

प्रश्न:2 बैजू के सितार बजाने पर कौन सी घटना घटी?

(क) हिरण उसके पास आ गए

(ख) हिरण उससे दूर भाग गए

(ग) सब चुप हो गए

(घ) तानसेन घबरा गए

उत्तर: (क) हिरण उसके पास आ गए

प्रश्न:3 बैजू ने तानसेन से बदला कैसे लिया?

(क) गाना गाकर

(ख) हिरणों को बुलाकर

(ग) तानसेन को मुक्त करके

(घ) चुपचाप वापस जा पर

उत्तर: (ग) तानसेन को मुक्त करके

प्रश्न:4 'दंड' शब्द का विलोम शब्द बताइए।

(क) परिणाम

(ख) पारितोषिक

(ग) मुक्त

(घ) हारना

उत्तर: (ख) पारितोषिक

प्रश्न:5 गद्यांश में आया एक मुहावरा लिखो।

(क) खून का घूंट

(ख) प्राणों से हाथ धोना

(ग) पानी फेरना

(घ) (क), (ख), (ग), तीनों

उत्तर: (घ) (क), (ख), (ग), तीनों

अपठित काव्यांश 1

पर्वत के विशाल शिखरों-सा यौवन उसका ही है अक्षय,

जिसके चरणों पर सागर के होते अनगिन ज्वार सदा लय।

अचल खड़े रहते तो ऊँचा, शीश उठाए तुफानों में

सहन शीलता, दृढ़ता हँसती, जिनके यौवन के प्राणों में।

यह पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हो निर्झर,

प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।

आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी हो तरूणाई

नए जन्म की खास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।

आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,

नवयुग के पृष्ठों पर तुमको, है नूतन इतिहास लिखाना।

उठो राष्ट्र के नव यौवन तुम, दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,

जगो देश के प्राण, जगा दो नए प्रात का नया जागरण।

प्रश्न-1 यौवन को कैसा माना गया है?

(क) दुर्गम रास्ता

(ख) पर्वत जैसा

(ग) सागर जैसा

(घ) मधुमास जैसा

सही उत्तर – (ख) पर्वत जैसा

प्रश्न-2 नवयुग के लिए लेखक युवकों को क्या करने की प्रेरणा दे रहा है?

(क) नूतन इतिहास

(ख) मधुमास खिलाना

(ग) सहनशीलता

(घ) नव उत्साह

सही उत्तर – (क) नूतन इतिहास

प्रश्न-3 युवकों को कैसा होना चाहिए?

(क) तूफानों की तरह

(ख) आशावादी

(ग) चेतन

(घ) निर्झर की तरह

सही उत्तर – (घ) निर्झर की तरह

प्रश्न-4 प्रगति का नाम, यौवन कैसे सार्थक करता है?

(क) दुर्गमता पर चलकर

(ख) दिशाओं को आंमत्रित करके

(ग) चेतना की अंगडाई

(घ) तूफानों को रोककर

सही उत्तर – (क) दुर्गमता पर चलकर

प्रश्न-5 'अ' उपसर्ग से बना शब्द पंद्याश में से छाँटिए।

(क) अक्षय

(ख) आशा

(ग) आमंत्रण

(घ) आज

सही उत्तर – (क) अक्षय

अपठित काव्यांश 2

सभ्यता कहाँ गई, आ गई, कहाँ है खड़ा विश्व

जा रहा है किधर गति रथ विज्ञान कलाओं का

किस दिशि उन्मुक इतिहास? दे रहा क्या विकास?

क्या शोर समय का है? क्या जोर हवाओं का?

क्या यही सभ्यता का वह सुंदर सुखद स्वर्ग?

है पड़ा जहाँ पग-पग पर मुरदों का पड़ाव,

बिक रहा जहाँ नारीत्व रजत के टुकड़ों पर

फूलों के शव पर जहाँ श्रृंगालों का जमाव।

प्रश्न-1 कवि के अनुसार सभ्यता कहाँ खड़ी है?

(क) रथपर

(ख) हवाओं में

(ग) दोराहे पर

(घ) फूलों के शव पर

सही उत्तर – (ग) दोराहे पर

प्रश्न-2 हमारे इतिहास की क्या अवस्था है?

(क) दिशाहीन

(ख) जुड़ा तुड़ा

(ग) विकास की ओर

(घ) सुखद स्वर्ग

सही उत्तर – (क) दिशाहीन

प्रश्न-3 सभ्यता किस ओर जाना चाहती है?

(क) बिकने की ओर

(ख) विकास की ओर

(ग) सुंदर स्वर्ग की ओर

(घ) नवयुग की ओर

सही उत्तर – (घ) नवयुग की ओर

प्रश्न-4 आज नारीत्व की क्या स्थिती हो गई है?

(क) धन के लिए बिकना

(ख) शर्मनाक

(ग) दासी

(घ) विपत्तियों भरा

सही उत्तर – (क) धन के लिए बिकना

प्रश्न-5 'श्रृंगलों' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) कुत्ता

(ख) भेडिया

(ग) सियार

(घ) गधे

सही उत्तर – (ग) सियार

अपठित काव्यांश 3

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

ताते जल नहा पहन श्वेत वसन आई,

खुले लान बैठ गई दमकली लुनाई,

सूरज खरगोश धवल गोद उछल आया

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

पैरों में मखमल की जूती-सी क्यारी,

मेघ ऊन का गोला बुनती सुकुमारी,

डोलती सलाई हिलता जल लहराया।

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया।

बोली कुछ नहीं एक कुर्सी की खाली,

हाथ बढ़ छज्जे की साया सरका ली,

बाँह छुड़ा भागा, गिर बर्फ हुई छाया।

बहुत दिनों बाद मुझे धूप ने बुलाया

प्रश्न-1 बहुत दिनों के बाद लेखिका को क्या अच्छा लगा?

(क) धूप का बुलाना

(ख) धूप का खिलना

(ग) धूप छा जाना

(घ) धूप से गरमी आना

सही उत्तर – (क) धूप का बुलाना

प्रश्न-2 सूरज को किस रूप में बताया गया है?

(क) रूई का फाहा

(ख) खरगोश

(ग) सफेद फूल

(घ) गेंद

सही उत्तर – (ख) खरगोश

प्रश्न-3 'डोलती सलाई से जल का लहराना' से क्या तात्पर्य है?

(क) हवा का चलना

(ख) बादलों का चलना

(ग) सलाई से पानी हिलाना

(घ) पानी मे लहर उठना

सही उत्तर – (ग) सलाई से पानी हिलाना

प्रश्न-4 लेखिका कहाँ बैठी थी?

(क) आँगन में

(ख) मैदान में

(ग) छज्जे के नीचे

(घ) कमरे में

सही उत्तर – (ग) छज्जे के नीचे

प्रश्न-5 इस पद्यांश में भाषा का कौन सा रूप है?

(क) लोकभाषा

(ख) व्याकरणिक हिन्दी

(ग) खड़ी बोली

(घ) मध्यवर्गीय भाषा

सही उत्तर – (ग) खड़ी बोली

अपठित काव्यांश 4

घास-फूस की खड़ी झोंपड़ी लाज सँभाले जीवन भर की।

कुटिया में मिट्टी के दीपक, मंदिर में प्रतिमा पत्थर की।।

जहाँ बास कंकड में हरि का, वहाँ नहीं चाँदी चमकीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

बरस-बरस पर आती होली, रंगों का त्योहार अनूठा।

चुनरी इधर, उधर पिचकारी गालभाल पर कुमकुम फूटा।

लाल-लाल बन जाते काले गोरी सूरत पीली नीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

दीवाली दीपों का मेला झिलमिल महल कुटी गलियारे।

भारत भर में उतने दीपक जितने जलते नभ में तारे।।

सारी रात पटाखे छोड़े नटखट बालक उमर हठीली।

मेरा देश बड़ा गर्वीला रीति-रसम ऋतु रंग रंगीली।।

प्रश्न-1 एक झोपड़ी घास की बनी होने पर भी क्या सम्भाल कर रखती है?

(क) प्रतिमा

(ख) बांस

(ग) मिट्टी

(घ) लाज

सही उत्तर – (घ) लाज

प्रश्न-2 मुझे अपने देश पर क्यों गर्व है?

(क) गर्वीला है

(ख) रंग रंगीली

(ग) सम्मानित है

(घ) 1,2,3 सभी हैं

सही उत्तर – (घ) 1,2,3 सभी हैं

प्रश्न-3 किस ऋतु में लाल पीले हो जाते हैं?

(क) होली

(ख) दिवाली

(ग) लोहाड़ी

(घ) संक्रात

सही उत्तर – (क) होली

प्रश्न-4 दीपवाली पर किसका मेला लगता है?

(क) खिलोने का

(ख) मिठाई का

(ग) दीपों का

(घ) लोगों का

सही उत्तर – (ग) दीपों का

प्रश्न-5 पद्यांश में से विशेषण का उदाहरण लिखिए।

(क) झिलमिल महल

(ख) कुमकुम फूटा

(ग) रंग रंगीला

(घ) मंदिर में प्रतिमा

सही उत्तर – (क) झिलमिल महल

अपठित काव्यांश 5

जब तक जीवन मनुज पंथ पर चलता रहता,

प्रतिदिन, प्रतिफल नई कहानी कहता रहता।

जीवन जल का वाची जो बहता रहता है,

अनदेखे अवरोधों को सहता रहता है।।

अन्तर में 'उत्साह', लक्ष्य के प्रति दृढ़ निष्ठा,

कर देती मानव समाज में प्राण प्रतिष्ठा।

सत्य? जहाँ टकराकर मिटते स्वयं प्रभंजन

हो जाता तूफ़ानों चट्टानों का मर्दन।।

यह सात्विक उत्साह मनुज को बल देता है,

पथ की बाधाओं को स्वयं मसल देता है।

जन सेवा का मार्ग महा विस्तृत समुद्र है,

वह तर पाता कहाँ मनुज जो स्वयं क्षुद्र है।।

प्रश्न-1 जीवन मनुज पंथ पर चलता क्या सहता रहता है?

(क) नई कहानी

(ख) बहता जीवन

(ग) अनदेखे अवरोध

(घ) शत्रुता

सही उत्तर – (ग) अनदेखे अवरोध

प्रश्न-2 तूफानों, चट्टानों का मर्दन किससे होता है?

(क) सत्य से

(ख) टकराने से

(ग) टूटने से

(घ) तूफान से

सही उत्तर – (क) सत्य से

प्रश्न-3 अन्दर का उत्साह, निष्ठा समाज में क्या करता है?

(क) उत्तेजना

(ख) प्राण प्रतिष्ठा

(ग) लक्ष्य प्राप्त करना

(घ) उत्सव मनाना

सही उत्तर – (ख) प्राण प्रतिष्ठा

प्रश्न-4 'जन सेवा का मार्ग महा विस्तृत समुद्र है' से क्या तात्पर्य है?

(क) कँटीली झांडियों से भरा

(ख) जानवरों से भरा

(ग) कठिनाइयों से भरा

(घ) अंतहीन कठिनाइयों से भरा

सही उत्तर – (घ) अतंहीन कठिनाइयों से भरा

प्रश्न-5 'क्षुद्र' शब्द का अर्थ बताइए (पद्यांश के आधार पर)।

(क) अपवित्र

(ख) सफाई करने वाला

(ग) गलत विचार वाला

(घ) गंदा रहने वाला

सही उत्तर – (ग) गलत विचार वाला